विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से प्राप्त माडल पाठचर्या के अन्तर्गत संशोधित/परिवर्द्धित एम0ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी–विषय का प्रस्तावित पाठयक्रम (शैक्षणिक सत्र 2010–11 से क्रमशः प्रभावी)

एम0ए0 प्रथम वर्ष (हिन्दी)

प्रथम प्रश्न पत्र– आदिकालीन काव्य

अंक विभाजन– तीन व्याख्या 3x10=20 दो दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 2x20=40 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x4=20 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों का उतर दो सौ शब्दों से अधिक नही होना चाहिए ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

प्रथम प्रश्न पत्र : आदिकालीन काव्य

संकलित कवि–

1. चन्दवरदायी– शशिवृता समय सम्पादक–
   1. डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी, असे0प्रो0एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग. शिबली नेशनल कॉलेज, आजमगढ ।
   2. डॉ0 परवीन निजाम अंसारी–रीडर, हिन्दी विभाग, शिबली नेशनल कॉलेज, आजमगढ ।
2. अब्दुर्रहमान– संदेश रासक– कोई एक समय
3. गोरखनाथ
4. विद्यापति : पदावली (50 पद)
5. नरपति नाल्ह : बीसलदेव रासो (एक समय)

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति – डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
3. बीसलदेव रासो– डॉ0 माता प्रसाद गुप्त
4. संदेश रासक– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग–डॉ0 नामवर सिंह
6. सिद्ध सरहपा– डॉ0 द्विजराम यादव

एम0ए0 प्रथम वर्ष : (हिन्दी) द्वितीय प्रश्न पत्र

'मध्यकालीन काव्य'

अंक विभाजन–तीन व्याख्या 3x10=30 दो दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 2x20=40 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x4=20 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर दो सौ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

पाठ्य ग्रंथ– मध्यकालीन काव्य संग्रह

सम्पादक–
1. डॉ0 हृदय नारायण राय, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, श्री गांधी स्मारक त्रिवेणी महाविद्यालय, बरदह, आजमगढ ।
2. डॉ0 शम्स आलम खॉ– रीडर, हिन्दी विभाग, शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ ।

निर्धारित कवि–

1. क्बीर – 75 साखी + 20 पद

2. जायसी —तीन खण्ड

3. तुलसीदास —(उतरकाण्ड) रामचरित मानस के पचास दोहे, विनयपत्रिका के 25 पद

4. सूरदास — 50 पद

5. केशव दास —रामचन्द्रिका, कविप्रिया, रसिका प्रिया के अंश

6. बिहारी लाल —100 दोहे

7. घनानन्द —50 छन्द

सहायक ग्रंथ—
1. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुल्क
3. सूर : सन्दर्भ और समीक्षा— डॉ0 त्रिभुवन सिंह
4. तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुल्ल
5. सूर और उनका साहित्य— डॉ0 हरवंश लाल शर्मा
6. बिहारी का नया मूल्यांकन— डॉ0 बच्चन सिंह
7. भक्ति का सन्दर्भ —डॉ0 देवीशंकर अवस्थी
8. मध्यकालीन भक्ति काव्य में विरहानुभूति की व्यंजना— डॉ0 चौथीराम यादव
9. तुलसी काव्य मीमांसा— डॉ0 उदयभानु सिंह
10. सूफी कवि जायसी का प्रेम निरूपण— डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी
11. कबीर— वासुदेव सिंह, जयदेव सिंह
12. कबीर वाड्मय— डॉ0 जयदेव सिंह
13. कबीर वाणी पीयूष
14. जायसी— डॉ0 विजयदेव नारायण साही
15. जायसी— डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
16. आनंदघन— डॉ0 रामदेव शुक्ल
17. बिहारी की वाग्विभूति— आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18. केशव का — आचार्यत्व, हीरालाल दीक्षित, विजयपाल सिंह

एम0ए0 प्रथम वर्ष : (हिन्दी) तृतीय प्रश्न पत्र

'आधुनिक गद्य साहित्य'

अंक विभाजन— तीन व्याख्या 3x10=30 दो दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 2x20=40 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x4=20 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों का उतर दो सौ शब्दों से अधिक नही होना चाहिए ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

(क) **नाटक** 1. जयशंकर प्रसाद— चन्द्रगुप्त
2. अँधेर नगरी— देवेन्द्रराज अंकुर, नवोदय सेल्स, नयी दिल्ली

(ख) **उपन्यास** 1. गोदान— प्रेमचन्द
2. मैला ऑचल— फणीश्वरनाथ रेणु

(ग) कहानी चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचन्द, प्रसाद, अज्ञेय, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, मारकण्डेय, अमरकान्त, मन्नू भण्डारी ।

पाठय ग्रंथ : सम्पादक—
1. डॉ0 जटाशंकर द्विवेदी, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी.सी.एस.के., मऊ ।
2. डॉ0 बिजेन्द्र सिंह, रीडर हिन्दी विभाग, हडिया पी.जी. कालेज, इलाहाबाद ।

(घ) हिन्दी—निबन्ध बालकृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामवृक्ष वेनीपुरी, रामविलास शर्मा, कुबेरनाथ राय ।

पाठ्य ग्रंथ : सम्पादक—
1. डॉ0 शीला सिंह— रीडर, टी.डी. कालेज, जौनपुर ।
2. डॉ0 आरती सिंह— रीडर, पी.जी. कालेज, गाजीपुर ।

(ड) **एकांकी** रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर, उदयशंकर भट्ट, उपेन्द्रनाथ अश्क, जगदीश चन्द्र माथुर, विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मीनारायण लाल ।

पाठय ग्रंथ सम्पादक —
1. डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी, रीडर—अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ ।
2. डा0 अल्ताफ अहमद— रीडर. हिन्दी विभाग, शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ ।

सहायक ग्रंथ
1. हिन्दी गद्य साहित्य— डॉ. रामचन्द्र तिवारी

2. मध्ययकालीन नाट्य परम्परा और भारतेन्दु– डॉ0 कुँवर चन्द्र प्रकाश सिंह
3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
4. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग– प्रो0 त्रिभुवन सिंह
5. नयी कहानी की भूमिका– कमलेश्वर
6. कहानी : नयी कहानी– डॉ0 नामवर सिंह
7. हिन्दी कहानी– राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी एकांकी– प्रो0 सिद्धनाथ कुमार
9. नयी कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति– देवीशंकर अवस्थी

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम वर्ष

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन

टिप्पणी : इन प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड होंगे । प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक–एक दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न तथा एक–एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । अंतिम अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य होगा ।

अंक विभाजन– तीन दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 3x20=60 अंक, पांच लघु उत्तरीय प्रश्न, 5x6=30 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

(क) **भारतीय काव्यशास्त्र :** काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन

1. **रस–सिद्धान्त** : रस का स्वरूप रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीयकरण, सहृदय की अवधारणा ।
2. **अलंकार–सिद्धान्त** : मूल स्थापनाएं अलंकारों का वर्गीकरण ।
3. **रीति– सिद्वान्त :** रीति की अवधारण, काव्य–गुण, रीति भेद ।
4. **वक्रोक्ति– सिद्धांत** : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।
5. **ध्वनि–सिद्वान्त :** ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्वान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य ।
6. **औचित्य– सिद्वान्त** : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद ।

(ख) **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

1. **प्लेटो :** काव्य–सिद्वान्त ।
2. **अरस्तू :** अनुकरण– सिद्वान्त, त्रासदी–विरेचन सिद्वान्त ।
3. **लोंजाइनस :** उदात्र की अवधारणा ।
4. **क्रोचे :** अभिव्यंजनावाद ।
5. **वर्ड्सवर्थ :** काव्य–भाषा का सिद्वान्त ।
6. **कॉलरिज :** कल्पना–सिद्वान्त और ललित–कल्पना । (फैन्टेसी)
7. **टी.एस. इलियट :** परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैयत्तिकता का सिद्वान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, परम्परा की अवधारणा ।

काव्यभाषा सिद्वान्त

आई. ए. रिचर्डस :

अभिजात्यवाद, स्वछन्दन्तावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर–आधुनिकतावाद ।

हिन्दी अलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ

सैद्वांतिक, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय और समाजशास्त्रीय ।

प्रमुख आलोचक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह ।

(ग) समकालीन आलोचना की अवधारणाऍं

विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डिकन्स्ट्रक्शन) ।

सहायक ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्यशास्त्र, भाग एक एवं दो– आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत अलोचना– आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र
4. पश्चात्य काव्यशास्त्र और उसकी परम्परा– डॉ0 नगेन्द्र
5. साहित्यालोचन–बाबू श्यामसुन्दर दास
6. सिद्वान्त और अध्ययन–बाबू गुलाब राय
7. साहित्य–सिद्वान्त और हिन्दी आलोचना– डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्वान्त– डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
10. आलोचक और अलोचना– डॉ0 बच्चन सिंह
11. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
12. आलोचना के बदले मानदण्ड और हिन्दी साहित्य–डॉ0 शिवकरण सिंह
13. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
14. रीतिकाव्य–डॉ0 जगदीश गुप्त
15. भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
16. नयी समीक्षा के प्रतिमान– निर्मला जैन
17. कविता के नये प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह

हिन्दी पंचम प्रश्न पत्र (विशेष अध्ययन)

टिप्पणः– इन प्रश्न–पत्र में कुल सात कवि विशेष अध्ययन हेतु निर्धारित है । इनमें से किसी एक कवि का विशेष अध्ययन करना होगा ।

अंक विभाजन– तीन व्याख्या 3x10=30 दो दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 2x20=40 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x4=20 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर दो सौ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

1. विशेष कवि (कबीरदास)

पाठ्य ग्रन्थ– कबीर ग्रन्थवली–सम्पादक– बाबू श्यामसुन्दर दास

सहायक ग्रन्ध –

1. कबीर– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर साहित्य की परख– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर वाड्मय, भाग–1 ,2, 3, –डॉ0 जयदेव सिंह और डॉ0 वासुदेव सिंह
4. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर साहब– डॉ0 युगेश्वर
6. कबीर एक अनुशीलन– डॉ0 रामकुमार वर्मा
7. कबीर की विचारधारा– डॉ0 गोबिन्द त्रिगुणायत
8. कबीर और कबीरपन्थ– डॉ0 केदारनाथ द्विवेदी
9. उत्तर भारत की सन्त परम्परा– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
10. कबीर वाड्मय– डॉ0 जयदेव सिंह, डॉ0 वासुदेव सिंह

2. मलिक मुहम्मद जायसी

जायसी ग्रन्थावली : सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

अनुमोदित ग्रंथ

1. जायसी– रामपूजन तिवारी
2. जायसी के परवर्ती सूफी कवि और काव्य– डॉ0 सरला शुक्ल

3. पद्मावत का काव्य सौन्दर्य– डॉ0 शिवसहायक पाठक
4. सूफी कवि जायसी का प्रेम निरूपण– डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी
5. जायसी–डॉ0 विजयदेव नारायण साही
6. जायसी– डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
7. मध्युगीन काव्य साधना– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य : डॉ0 शिवसहाय पाठक

3. सूरदास

पाठय ग्रन्थ–सूरसागर सार– सम्पादक– डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

सहायक ग्रन्थ

1. सूर–संदर्भ और समीक्षा–सम्पादक डॉ0 त्रिभुवन सिंह
2. सूर–साहित्य– आचार्य हंजारी प्रसाद द्विवेदी
3. सूरदास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. सूरदास–डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
5. सूर और उनका साहित्य– डॉ0 हरवंश लाल शर्मा
6. सूरदास का काव्य वैभव– डॉ0 मुंशीराम शर्मा
7. मध्यकालीन सांस्कृतिक चेतन के निकष पर सूर काव्य–डॉ0 विजय बहादुर सिंह
8. महाकवि सूरदास–आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

4. गोस्वामी तुलसीदास

पाठ्य ग्रन्थ–

1. रामचरित मानस– बालकाण्ड, अयोध्याकण्ड और उतरकाण्ड (गीता प्रेस गोरखपुर)
2. विनय पत्रिका (सम्पूर्ण) गीता प्रेस, गोरखपुर
3. कवितावली (सम्पूर्ण) गीता प्रेस, गोरखपुर
4. गीतावली (केवल अयोध्याकाण्ड) गीता प्रेस, गोरखपुर

सहायक ग्रन्थ–

1. गोस्वामी तुलसीदास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी : संदर्भ और समीक्षा– संपादक डॉ0 त्रिभुवन सिंह
3. तुलसी काव्य–मीमांसा– डॉ0 उदयभानु सिंह
4. रामकाव्य– अनुसंधान और अनुचिन्तन – भगवती प्रसाद सिंह
5. तुलसी की काव्य–साधना– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. तुलसीदास– डॉ0 माता प्रसाद गुप्त
7. तुलसी– आधुनिक वातायान से –रमेश कुन्तल मेघ
8. तुलसी की साहित्य–साधना– डॉ0 लल्लन राय
9. तुलसीदास– सम्पादक डॉ0 वासुदेव सिंह
10. तुलसीदास– सम्पादक डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. तुलसी– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी

5. जयशंकर प्रसाद

पाठय ग्रन्थ 1–कामायनी, 2–आँसू, 3– लहर, 4– झरना ।

नाटक– स्कन्दगुप्त अजातशत्रु

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यकला तथा अन्य निबन्ध– जयशंकर प्रसाद
2. प्रसाद का काव्य– डॉ. प्रेमशंकर
3. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ– डॉ0 नगेन्द्र
4. कामायनी अनुशीलन– डॉ0 रामलाल सिंह
5. कामायनी विमर्श –डॉ0 भगीरथ दीक्षित
6. कामायनी में काव्य– संस्कृत और दर्शन– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
7. कामायनी : एक पुनर्विचार– गजानन माधव मुक्तिबोध
8. कामायानी का पुर्नमूल्यांकन– डॉ0 रामसूरत चतुर्वेदी
9. जयशंकर प्रसाद– आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
10. प्रसाद साहित्य में उदात तत्व– डॉ0 गौरीशंकर राय
11. कामायनी–सौन्दर्य– डॉ0 फतह सिंह
12. कामायनी दीपिका– विश्वनाथ लाल 'रौदा'

6. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

पाठय ग्रन्थ– निराला रचनावली, भाग 1 से 2 सम्पादक : नन्द किशोर नवल राजकमल प्रकाशन प्रा0लि0, नई दिल्ली ।

सहायक ग्रन्थ

1. निराला की साहित्य साधना भाग 1, 2 और 3 डॉ0 रामविलास शर्मा
2. क्रांतिकारी कवि निराला– डॉ0 बच्चन सिंह
3. युगाराध्य निराला– गंगाधर
4. निराला की काव्यभाषा– डॉ0 शकुन्तला शुक्ल
5. निराला : आत्महन्ता आस्था – डा0 दूधनाथ सिंह
6. कवि निराला – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
7. निराला का काव्य– डॉ0 जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
8. निराला काव्य का अध्ययन–डॉ0 भगीरथ मिश्र
9. निराला की काव्य भाषा– डॉ0 शिवशंकर सिंह
10. कविर्मनीषी निराला– डॉ0 सुधाकर सिंह

7. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (सम्पूर्ण काव्य)

सहायक ग्रन्थ

1. अज्ञेय का काव्य– सुश्री सुमन झा
2. तारसप्तक (प्रथम से चतुर्थ) भूमिका भाग– सम्पादक– अज्ञेय
3. नयी कविता के प्रतिमान– लक्ष्मीकान्त वर्मा
4. आज की कविता– सुधीर पचौरी
5. नयी कविता का परिप्रेक्ष्य– डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव
6. कविता के नये प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह
7. अज्ञेय– प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय की काव्य– चेतना– डॉ0 कृष्णा भावुक
9. अज्ञेय की काव्य तितीर्ण – डॉ0 नन्दकिशोर
10. अज्ञेय– डॉ0 रामसकल राय

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से प्राप्त माडल पाठचर्या के अन्तर्गत संशोधित/परिवर्द्धित एम0ए0 द्वितीय वर्ष हिन्दी–विषय का प्रस्तावित पाठयक्रम (शैक्षणिक सत्र 2011–12 से प्रभावी)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष हिन्दी–साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

आधुनिक–काव्य

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक–100**

अंक विभाजन– तीन व्याख्या 3x10=30 अंक, दो दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक दो प्रश्न 2x15=30 अंक, लघु उत्तरीय प्रश्न पांच 5x6=30 अंक अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तीन सौ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(क) आधुनिक काव्य :

सम्पादक
1. डॉ0 विनोद कुमार सिंह, रीडर, हिन्दी विभाग, टी0डी0 कालेज, जौनपुर
2. डॉ0 हितेन्द्र कुमार मिश्र, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, स्वामी सहजानन्द पी.जी. कालेज, गाजीपुर ।

पाठ्य ग्रन्थ

1. मैथिलीशरण गुप्त, साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद– कामायनी (चिंता, श्रद्धा, रहस्य)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'– राग–विराग (तीन लम्बी कवितायें)
4. सुमित्रानन्दन पंन्त–तारापथ 10 कवितायें
5. महादेवी वर्मा 'आधुनिक कवि' 10 कवितायें
6. अज्ञेय
7. मुक्तिबोध

अनुमोदित ग्रन्थ

1. मैथिलीशरण गुप्त– डॉ0 लल्लन राय
2. कामायनी : एक पुनर्विचार– गजानन माधव मुक्तिबोध
3. निराला की साहित्य–साधना, भाग 1,2,3–डॉ0 रामविलास शर्मा
4. क्रान्तिकारी कवि 'निराला'– डॉ0 बच्चन सिंह
5. सुमित्रानन्दन पंत– डॉ0 नगेन्द्र
6. कविर्मनीषी निराला– प्रो0 सुधाकर सिंह
7. अज्ञेय का काव्य– सुश्री सुमन झा
8. नयी कविता का परिप्रेक्ष्य– डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न–पत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक–100**

अंक विभाजन– तीन व्याख्या 3x10=30 अंक, दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक दो प्रश्न 2x15=30 अंक, लघु उत्तरीय प्रश्न पांच 5x6=30 अंक अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों के उतर तीन सौ शब्दों से अधिक नही होना चाहिए ।

(क) भाषा विज्ञान :

1. भाषा : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएं । भाषा परिवर्तन के कारण और उसकी दिशाएं । बोली और उसके विविध रूप, मानक भाषा ।

2. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान के अंग, भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध, अध्ययन की पद्धतियां– वर्णनात्म, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

3. विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण : आकृति मूलक और पारिवारिक ।

4. स्वनिम विज्ञान : स्वन, संस्वन एवं स्वनिम की अवधारणा/संस्वन एवं स्वनिम में अन्तर । स्वनिम के भेद–खण्ड एवं खण्डेतर स्वनिम । स्वनों का वर्गीकरण परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं ।

5. रूप विज्ञान : रूपिम, संरूप एवं रूप की अवधारणा । रूपिम के भेद–मुक्त एवं बद्व रूपिम । शब्द और रूप, अर्थ तत्व एवं संबंध तत्व । रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।

6. वाक्य विज्ञान : वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव । वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।

7. अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थकता, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।

(ख) हिन्दी भाषा :

1. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :**
   प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ– वैदिक तथा संस्कृत– की विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत और अपभ्रंश– की विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय ।
2. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :**
   हिन्दी और उनकी बोलियाँ– खडी बोली, ब्रजभाषा, अवधी एवं भोजपुरी का परिचय ।
3. **हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था :** खण्ड एवं खण्डेतर स्वनिम ।
4. **हिन्दी रूप–रचना :** उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास । संज्ञा, सर्वनाम, विशलेषण और क्रिया के कारकीय रूप ।
5. **हिन्दी वाक्य रचना :** पदक्रम, पदबन्ध, अन्विति । वाक्य के प्रकार–संरचना एवं अर्थ के आधार पर ।
6. **हिन्दी के विविध रूप :** मातृभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा ।
7. **हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।**
8. **लिपि :** उद्‌भव और विकास, विश्व की प्रमुख लिपियों का परिचय ।
   देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्‌भव एवं विकास, गुण–दोष और सुधार के प्रयत्न ।

अनुमोदित ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान की भूमिका– द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की रूपरेखा– डॉ0 उदयनारायण तिवारी
3. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका– डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र–डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
6. हिन्दी भाषा की संरचना– हिन्दी भाषा – डॉ0 हरदेव बाहरी
7. हिन्दी भाषा का इतिहास– डॉ0 सुधाकर सिंह
8. हिन्दी भाषा– भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी भाषा का इतिहास– डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
10. देवनागरी विमर्श – डॉ0 शैलेन्द्र कुमार शर्मा
11. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकाश– प्रो0 सत्यनारायण त्रिपाठी
12. राजभाषा– डॉ0 मलिक मुहम्मद
13. समसामयिक हिन्दी में रूप स्वानिमिकी– डॉ0 सुधाकर सिंह

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष
तृतीय प्रश्न–पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

(अंक विभाजन– तीन व्याख्या 3x10=30 अंक, दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक दो प्रश्न 2x15=30 अंक, लघु उत्तरीय प्रश्न पांच 5x6=30 अंक अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न दस 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों के उतर तीन सौ शब्दों से अधिक नही होना चाहिए ।)

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

पाठ्यविषय

इतिहास दर्शन

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण ।

हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्व और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य एंव लौकिक काव्य । साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, गद्यसाहित्य (भक्तिकाल) पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति का उद्‌भव एवं विकास, विभिन्न काव्यधाराएँ, निगुण– (संत एवं सूफी काव्य), सगुण (राम एवं कृष्ण काव्य) और उनकी प्रवृत्तियाँ।

भक्तिकाल :

भक्तिकालीन गद्य–साहित्य ।

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण, विभिन्न काव्य, प्रवृत्तियाँ । रीतिकालीन गद्य साहित्य ।

आधुनिककाल की पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई0 की राजक्रांति और पुनर्जागरण ।

भरतेदु युग :
द्विवेदी युग :
छायावाद
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता और नवगीत ।
हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, याभावृतान्त)
हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास
उर्दू साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियॉ– डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य– उद्‌भव और विकास– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भाग–1 व 2 – डॉ0 गणपति चन्द गुप्त
7. हिन्दी साहित्य का संवेदनात्मक इतिहास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ0 नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
10. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– डॉ0 वासुदेव सिंह
11. उर्दू साहित्य का इतिहास– डॉ0 कृष्णचन्द्र लाल
12. उर्दू काव्य धारा– डॉ0 हीरालाल दीक्षित
13. उर्दू साहित्य का इतिहास– सैय्यद एहतिशाम हुसेन

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोट :– इस प्रश्न–पत्र में कुल छः वैकल्पिक प्रश्न पत्र होंगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न–पत्र का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा ।

(क) शोध प्रविधि
(ख) लोक साहित्य
(ग) कथा साहित्य
(घ) निबंध
(ड) लघुशोध प्रबंध
(च) प्रयोजनमूलक हिन्दी

(क) शोध प्रविधि

(अ) सैद्वान्तिकी

1. शोध : अर्थ एवं परिभाषा
2. शोध का स्वरूप, क्षेत्र
3. शोध के तत्व
4. शोध के प्रकार
5. शोध–पद्वतियॉ

(ब) व्यावहारिकी

1. शोध–विषय का चयन
2. शोध–विषय की सीमा
3. रूपरेखा–निर्माण
4. समग्री संकलन
5. शोध प्रबन्ध लेखन, सांराशिका, सहायक/आधार सामग्री का विवरण
6. उपसंहार

पाठ्य पुस्तक : 1. शोध साधना– डॉ0 कुँवर चन्द्र प्रकाश सिंह
2. शोध : प्रविधि– डॉ0 निजामुद्‌दीन अंसारी

(ख) लोक–साहित्य

इस प्रश्न पत्र में सैद्वान्तिक अध्ययन के साथ सम्बन्धित क्षेत्र के लोक साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है ।
इसमें दो खण्ड होंगे । प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा अन्तिम प्रश्न अतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ अनिवार्य होगा ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन– 4 दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 4x15=60 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x6=30 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक

खण्ड–अ

लोक साहित्य की परिभाषा तथा विशेषेताएँ, लोक और लोक वार्ता, लोक वार्ता और लोक विज्ञान । लोक संस्कृति : आवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक जीवन और साहित्य, महत्व, आदिकालीन और मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में लोक–तत्व, आधुनिक साहित्य और लोक तत्व । लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध । भारतीय लोक साहित्य की परम्परा और उसकी अध्ययन का इतिहास । हिन्दी लोक साहित्य के प्रमुख संग्रहकर्ता । लोक साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया और उसके संकलन की समस्याएँ ।

लोक साहित्य के विविधि रूपों का वर्गीकरण– लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, लोकसुभाषित एवं लोक पहेली । लोकगीत के प्रकार– संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत । लोक कथा– व्रतकथा, कथानक रूढियॉ । लोकगाथा–ढोला–मारू, गोपीचन्द, भरथरी, लोरिकायन, नलदमयंती, हीर–रांझा, सोहनी–महीवाल, लोरिक–चन्दा, आल्हा–हरबीर । लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान विदेसिया, भॉच, भॉड, तमाशा, नौंटकी, लाकनाटकों का महत्व । लोक– सुभाषित, लोकोक्तियॉ, मुहावरे, कहावतें और पहेलियॉ । हिन्दी भाषा साहित्य, नाटक और रंगमंच के विकास में लोक साहित्य का योगदान । लोकसाहित्य का सांस्कृतिक– सामाजिक महत्व ।

खण्ड–ब

भोजपुरी क्षेत्र और उसकी आंचलिक संस्कृति (भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, परिवेश) भोजपुरी साहित्य की विशेषताएँ । भोजपुरी लोकगीत और उनके प्रकार । भोजपुरी नाटक–विदेसिया और लोक नाटय रूपों का अध्ययन । भोजपुरी लोककथाओं और भोजपुरी लोकगाथाओं का अध्ययन । समकालीन भोजपुरी साहित्य और प्रमुख साहित्यकार । महत्व और उपयोगिता ।

सहायक ग्रन्थ

1. लोक–साहित्य विज्ञान– डॉ0 सत्येन्द्र
2. लोक–साहित्य की भूमिका– डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी लोक –साहित्य– डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
4. भारतीय लोक – साहित्य– डॉ0 श्याम परमार
5. पूर्वान्चल के मुस्लिम लोकगीत– डॉ0 परवीन निजाम अंसारी, सबीह अफरोज अली
6. लोक–साहित्य के प्रतिमान– डॉ0 कुन्दन लाल उप्रैती
7. भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान– डॉ0 विवेकी राय
8. भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
9. भोजपुरी संस्कार गीत– डॉ0 विजय नारायण सिंह

(ग) कथा साहित्य

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन– 3 व्याख्या– 3x10=30 2 दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 2x15=30 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x6=30 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक

पाठय ग्रंथ

1. मैला ऑचल– फणीश्वरनाथ 'रेणु'
2. चित्रलेखा– भगवती चरण वर्मा
3. नीला चॉद– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
4. शेखर : एक जीवनी– अज्ञेय
5. कितने पाकिस्तान–कमलेश्वर
6. क्हानी संचयिका–

संकलित कहानीकार– प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी, निर्मल वर्मा, नासिरा शर्मा ।

सम्पादक– 1. डॉ0 रामअवध सिंह यादव, रीडर–अध्यक्ष, श्री गॉधी पी0जी0 कालेज, मालटारी आजमगढ ।

2. डॉ0 गीता सिंह, रीडर–अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0, कालेज, आजमगढ ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों की शिल्प–विधि– जवाहर सिंह
2. उपन्यास का पुनर्जन्म – डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
3. समकालीन हिन्दी कहानी– डॉ0 पुष्पपाल सिंह
4. कहानी : नयी कहानी– डॉ0 नामवर सिंह
5. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद– डॉ0 त्रिभुवन सिंह
6. हिन्दी उपन्यास– डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
7. बीसवीं सदी के अन्त में हिन्दी कहानी– नीजर खरे
8. मन्नू भण्डारी के कथा साहित्य में स्त्री–इशरत जहॉ
9. हिन्दी कहानी आन्दोलन की भूमिका : डॉ0 बजराज पाण्डेय

(घ) निबन्ध

टिप्पणी– निबन्ध साहित्यिक विषयों पर आधारित होंगे जो हिन्दी साहित्य के समस्त प्रश्न–पत्रों और हिन्दी साहित्य के इतिहास से संबंधित विषयों से सम्बद्व होगा । यह कुल 100 अंकों का होगा ।

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्यिक निबंध– डॉ0 त्रिभुवन सिंह
2. साहित्यिक निबन्ध– डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
3. हिन्दी निबन्ध– डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां– डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5. साहित्यिक निबन्ध– डॉ0 राजनाथ शर्मा
6. आधुनिक साहित्य– डॉ0 नन्ददुलारे वाजपेयी

(ड) लघुशोध प्रबंध

55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र ले सकेंगे । विभागाध्यक्ष/संयोजक की अनुमति लेना आवश्यक होगा ।

(च) पाठ्य विषय– प्रयोजन मूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन– 4 दीर्घ उत्तरीय निबन्धात्मक प्रश्न 4x15=60 अंक, 5 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x6=30 अंक, दस अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 10x1=10 अंक । लघु उत्तरीय प्रश्नों के उतर दौ सौ शब्दों से अधिक नही होना चाहिए ।

पाठ्य विषय– प्रयोजन मूलक हिन्दी : परिभाषा, स्वरूप व क्षेत्र, महत्व । मातृ भाषा और अन्य भाषा के रूप में हिन्दी–बोल–चाल में व्यवहृत समान्य हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्य एवं संविधान में हिन्दी । हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियॉ–हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, मौखिक हिन्दी और लिखित हिन्दी मानक हिन्दी की संकल्पना, हिन्दी का मानकीकरण । हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र–भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता–शैली के आधार पर हिन्दी के प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र, साहित्यिक हिन्दी बनाम प्रयोगजनमूलक हिन्दी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता । प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख आयाम–ज्ञान साहित्य की हिन्दी, कार्यालयीय हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, वृत्तिपरक हिन्दी, व्यावहारिक हिन्दी, संचार–माध्यम–'आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र, इन्टरनेट की हिन्दी, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रोद्योगिकी हिन्दी । भाषा व्यवहार :–शासकीय एवं व्यावसायिक । पत्राचार :– मूलपत्र, जवाबीपत्र, पत्र प्राप्ति की सूचना, स्मृतिपत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, ज्ञापन पत्र, परिपत्र, आदेशपत्र, पृष्ठांकन एवं अन्तर्विभागीय टिप्पणी, मानक प्रारूप, निविदा एवं सूचनायें, पद रिक्ति, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति एवं रिपोर्ट । वाणिज्य एवं व्यवसाय सम्बन्धी पत्राचार का स्वरूप–शासकीय, वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक पत्राचार में अन्तर, कोटेशन, आदेश, बीजक, बिल, रसीद सम्बन्धी पत्र, बैंकोंके कार्य सम्बन्धी सम्पादन के पत्र, बीमा सम्बन्धी पत्र, वाणिज्य एवं व्यावसायिक पत्रों की शब्दावली । हिन्दी के पारिभाषिक शब्द–निर्माण की प्रवृत्तियॉ, विज्ञान प्रस्तुति, वृत्तिपरकलेखन । अनुवाद : रूवरूप और व्यापक सन्दर्भ, अनुवाद–प्रक्रिया, अनुवाद प्रकरण, अनुवाद की सीमाऍं तथा अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष ।

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्वान्त एवं व्यवहार–रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और अनुप्रयोग – डॉ0 रामप्रकाश एवं डॉ0 दिनेश गुप्त
3. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ0 दिलीप सिंह
4. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – डॉ0 कैलाश चन्द भाटिया ।
5. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी–कैलाश चन्द भाटिया ।
6. राजभाषा सहायिका– अवधेश मोहन गुप्त ।
7. व्यवहारिक हिन्दी और रचना – कृष्ण कुमार गोस्वामी ।

एम0ए0 द्वितीय वर्ष (हिन्दी) पंचम प्रश्न–पत्र

मौखिक परीक्षा

डॉ0 निजामुद्दीन अंसारी
संयोजक
हिन्दी पाठ्यक्रम/शोध–उपाधि समिति (हिन्दी)
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर